दैनिक यशोभूमि
नया तेवर, नया कलेवर
॥» मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, पुणे और नासिक से एक साथ प्रकाशित

यूरो-मेडिटेरेनियन वाटर फोरम 2026 का हुआ आयोजन

यशोभूमि/प्रतिनिधि

रोम / मुंबई। नीली अर्थव्यवस्था और जल सुरक्षा सतत आर्थिक विकास तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। भारत के पास जल प्रबंधन, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और सतत औद्योगिक समाधानों में वैश्विक नवोन्मेषों से लाभ उठाने के विशाल अवसर हैं। रोम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भागीदारी ने

भविष्य के दिग्गज उद्यम तैयार करने में करना है मदद

भारतीय उद्यमों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, निवेशकों और संस्थाओं से जोड़ने के नए मार्ग खोले हैं। यह बात एमवीआईआरडीसी मुंबई विश्व व्यापार केंद्र की वरिष्ठ निदेशक (व्यापार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय संबंध) प्रिया पानसरे ने रोम में यूएनआईडीओ आईटीपीओ इटली द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला के बाद कही। सुश्री पानसरे ने यूरो-मेडिटेरेनियन वाटर फोरम 2026 और यूएनआईडीओ-डब्ल्यूटीसीए नीली अर्थव्यवस्था वैश्विक आह्वान 2026 के दौरान एमवीआईआरडीसी मुंबई विश्व व्यापार केंद्र का प्रतिनिधित्व किया।



समुद्री अमृत काल के अवसरों पर डाला प्रकाश

'नीले नवोन्मेष को बढ़ावा: यूएनआईडीओ परियोजनाओं से वैश्विक समाधानों तक' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के दौरान, सुश्री पानसरे ने भारत के समुद्री अमृत काल दृष्टिकोण 2047 से उभरने वाले अवसरों पर प्रकाश डाला। यह दृष्टिकोण बंदरगाहों, नौवहन, जहाज निर्माण, रसद, डिजिटलीकरण और हरित प्रौद्योगिकियों में बड़े पैमाने पर निवेश के माध्यम से देश के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने का प्रयास करता है।